प्रैस विज्ञप्ति

दिनांक:23.08.2013

कार्यशाला में भाग लेते छात्र तथा इन्सेट में डॉ. रवीन्द्र चौहान, एन. एस.एस. प्रोग्राम आफिसर।

आज दिनांक 23.08.2013 को उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्र, राजकीय महाविद्यालय संजौली शिमला-171006 में (NSS),एन.एस.एस. के तत्वाधान में United Nations Development Programme (UNDP), Disaster Management Cell (Govt. of Himachal Prdesh) के साथ मिलकर "Sensitization of students on Disaster Management" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य महोदय डॉ. जे. एस. नेगी ने प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न त्रासदियों से निपटने के लिये स्वयसेवियों की भूमिका अहम हो जाती है। 25,000 लोगो के

लिये नियोजित, शिमला शहर में लगभग 1.65 लाख लोग रह रहे हैं तथा शिमला में शहरी दबाव के कारण आपदा जोखिम में वृद्धि हुई है। इस कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य:

1. युवाओं को आपदा प्रबन्धन तथा इससे जुड़े मुद्दों के बारें में जागृत करना।
2. युवाओं को स्वयंसेवावाद(Volunteerism) के लिए प्रेरित करना।
3. आपात स्थिति निपटने के लिए समुदाय एवं संस्थानों का क्षमता वर्धन करना।
4. सुरक्षित भविष्य के निमार्ण के लिए साथ मिलकर काम करना।

इस अवसर पर Resource Persons, United Nations Development Programme (UNDP) से MS Bhawana Karki तथा Disaster Management Cell, Govt. of Himachal Pradesh से Sh. Navneet Yadav ने उपस्थित 216 छात्रों के अलावा शिक्षकों तथा गैर शिक्षक कर्मचारियों को महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रवीन्द्र चौहान तथा डॉ. सत्या चौहान ने इस कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस कार्यक्रम में श्री. के.एस.मेहता, डॉ. आर.आर.चौहान. डॉ. इन्द्रजीत सिंह, श्रीमति. नीलम शर्मा, डॉ.बी.के. शिवरम् भी उपस्थित थे।

डॉ. रवीन्द्र चौहान
94181-06966